

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 22 फरवरी, 1996

क्रमांक 128-ज-2-96/5080.—श्री जीवन दास नहला, पुत्र श्री सोहल सिंह नहला, निवासी गांव सन्त नगर, तहसील करनाल जिला करनाल को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुषकार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 16054-ज-III-66/19739, दिनांक 22 दिसंबर, 1966 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसंबर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री जीवन दास नहला की दिनांक 13 जलाई, 1994 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री जीवन दास नहला की विवाद श्रीमती लीला देवी के नाम रवी, 1995 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक 97-ज-2-96/5084.—श्री महताब सिंह, पुत्र श्री सुरजोंदार तिहाई, निवासी गांव ईन्होंनी, तहसील दादरी, जिला भिवानी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुषकार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 5570-जन-III-66/9758, दिनांक 27 मई, 1966 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसंबर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री महताब सिंह की दिनांक 22 जून, 1992 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री महताब सिंह की विवाद श्रीमती कडिया के नाम रवी, 1993 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 10 नवम्बर, 1996

क्रमांक 96-ज-2-96/5088.—श्री रिठाल सिंह, पुत्र श्री रामसिंह, निवासी इमलोडा, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुषकार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2441-जन-III-66/4695, दिनांक 25 मार्च, 1966 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-78/29505, दिनांक 8 दिसंबर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री रिठाल सिंह की दिनांक 1 मार्च, 1991 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री रिठाल सिंह की विवाद श्रीमती धनकोर के नाम खरीफ, 1991 से 300 रुपये वार्षिक तथा रवी 1993 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

(हस्ताक्षर)

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।